कपास नई खोज़

भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र

देखें: www.cicr.org.in

अंक: 4 खंड; 5 मई 25-31, 2014

अनुसंधान - झलकियाँ

वर्षा आधारित एकल कपास फ़सल में उपज बाधा तोड़ना

वर्षा आधारित क्षेत्रों में कपास में लगातार एकल-फ़सल एक आम प्रथा है क्योंकि वर्षा की मात्रा दोहरा फ़सल के लिए अनुकूल नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में क्रमिक दो साल के लिए फ़सल चक्र के बिना एक ही क्षेत्र में कपास उगाया गया थो उपज कम पाया गया था। यहां तक कि दो लगातार कपास फसलों के बीच के एक परती अवधि भी उपज बनाए रकना पाने को नहीं मिला । कोयंबत्तूर में एक दशक लंबे अध्ययन से पता चला कि कपास-ज्वार फ़सल प्रणाली पिछले कुछ वर्षों में काफ़ी अधिक कपास उपज (4.3 क्विंटल/हेक्टर) (42.2 प्रतिशत अधिक) के साथ कपास-परती प्रणाली की तुलना में एक अतिरिक्त ज्वार अनाज और भूसे की पैदावार बनाया रखा था। कपास-परती प्रणाली की तुलना में बेमौसम में बढ़ती रागी (50 कि.बीज दर/हे.) और 45 दिन पुरानी फसल में *ट्राईकोडार्मा विरिडी* के समावेश (10 के पैकेट को 25 कि.खेत खाद) से रागी की बढ़ती होनहार पाया गया।

वर्षा स्थिति में बेमौसम के बारिश का उपयोग करके फसल बढ़ाकर रागी के समावेश को कपास के लिए अनाज रोटेशन प्रभाव प्रदान करने के लिए मानकीकृत किया गया। अतिरिक्त लागत, 4500 / हेक्टेयर बीज लागत, ट्राईकोडर्मा लागत, मिट्टी में बोवाई और समावेश की लागत भी शामिल है। इस तकनीक में कपास का उपज 1977 किलो / हेक्टेयर के साथ प्रभावी वर्षा उपयोग दक्षता 5.5 किलो / मिमी दर्ज की गई। कपास परती प्रणाली में कपास का उपज 1390 किलोग्राम / हेक्टेयर और कुल वर्षा उपयोग दक्षता 3.9 किलो /मिमी पंजीकृत किया था। यह तकनीक बड़े पैमाने पर एन.ए.आय.पी. गॉव में प्रदर्शित किया गया और 22 प्रतिशत उपज बढ़ती एवं 25.7 प्रतिशत कपास-परती प्रणाली की तुलना में उच्चतर निवल लाभ दर्ज की गई ।

के.शंकरनारायणन एवं एन.गोपालकृष्णन

आय.आर.एम. एवं एच.डी.पी.एस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (2014-15)

केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर में दि 30.5.2014 को कीट-प्रतिरोधि प्रबंधन /उच्च घणत्व रोपण प्रणाली (आय.आर.एम. एवं एच.डी.पी.एस) में एक दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था । प्रशिक्षण कार्यक्रम आय.आर.एम. एवं एच.डी.पी.एस कार्यान्वित तमिलनाडु जिले के कृषि अधिकारियों को आय.आर.एम. एवं एच.डी.पी.एस पर तकनीकी जानकारी और दिशा निर्देश प्रदान करने के उद्देश्य में किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ. (श्रीमति) बी.धाराजोति, प्रधान वैज्ञानिक एवं आय.आर.एम के राज्य समन्वयक द्वारा आयोजित किया गया और सत्र डॉ.अ.हि.प्रकाश, परियोजना समन्वयक एवं अध्यक्ष, केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर की अध्यक्षता में की गयी थी। प्रशिक्षुओं में तमिलनाडु राज्य के कृषि उप निदेशकों, कृषि के सहायक निदेशकों, उप कृषि अधिकारियों, पेराम्बलूर, विरुदुनगर, सेलेम एवं कोयंबत्तूर के कृषि अधिकारियों शामिल थे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कपास की खेती में सामना करना पड़ रहे वर्तमान समस्याओं पर एवं न्यूनतम कृषि लागत के साथ कपास उपज बढ़ाने के लिए नई तकनीक जैसे उच्च घणत्व उत्पादन प्रणाली को अपनाकर उत्पादन प्रणाली को पुनर्जीवित करने पर प्रकाश डाला।

डॉ.(श्रीमति)बी.धाराजोति ने **परियोजना के कार्यान्वयन और आई आर एम रणनीतियों का प्रसार** परियोजना की कार्यान्वयन पद्धति एवं महत्वपूर्ण बिंदुओं को विस्तार से बताया। डॉ.के.शंकरनारायणन, प्रधान वैज्ञानिक, केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबत्तूर ने अपनी भाषण के दौरान कृषिशास्त्रीय पहलुओं" पर एवं एच.डी.पी.एस के लिए अपनाई जाने वाली सस्य-प्रणालियों को समझाया और एच.डी.पी.एस के प्रदर्शित परीक्षणों पर अपने अनुभव को साझा । डॉ. उषारानी ने वरिष्ठ वैज्ञानिक, ई कापस के रूप में ज्ञात इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से किसान को कपास की खेती उपयोगी सुझावों प्रसार के नूतन तरीखे पर एक व्याख्यान दिया।

प्रतिभागियों सक्रिय रूप से विचार विमर्श में भाग लिए और उच्च घणत्व रोपण प्रणाली से संबंधित कई प्रश्नों स्पष्ट किए गये। प्रशिक्षुओं को आई आर एम / एवं एच.डी.पी.एस तकनीक के विवरण के साथ प्रासंगिक मुद्रित सामग्री प्रदान किए गये ।

निर्मित एवं प्रकाशित: डॉ. के.आर.क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, नागपुर
प्रमुख संपादक: डॉ. नंदिनी गोक्टे-नार्खडेकर
संपादकों: डॉ. जे.एन्नि शीबा, डॉ. विश्लेष नगरारे, डॉ. जे.अमुदा एवं डॉ. एम.शरवणन
जनसंचार माध्यम समर्थन एवं रुपांकन: डॉ. एम.सबेष एवं श्री. एस.सत्यकुमार
हिन्दी अनुवाद: श्रीमति. के.सुभश्री एवं डॉ. अ.हि.प्रकाश
निर्मित समर्थन: श्री. संजय कुश्वाहा

प्रमाण: कपास नई खोज अंक-4, खंड-5, 2014, भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

प्रकाशन टिप्पणी: यह समाचार पत्र आनलाईन http://www.cicr.org.in/News Letter.html में उपलब्ध है।
कपास नई खोज एक खुला उपयोग कपास समाचार पत्र है ।

कपास नई खोज - के.क.अ.सं, समाचार पत्र केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र.
कार्यालय: पांजरी, एल.पी.जी. बॉटलिंग प्लॉन्ट के पास, वर्धा रोड, नागपुर- 441 108.
दूरभाष: 07103-275536 फैक्स: 07103-275529; E-mail: cicrnagpur@gmail.com